

डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 21, हबक्कूक

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह हबक्कूक की पुस्तक पर सत्र 21 है।

ठीक है, मैं शुरू करने के लिए तैयार हूँ।

आइए प्रार्थना करें। इस सप्ताह की शुरुआत करते हुए, हमारे पिता, हम आपकी ओर देखते हैं। हम जानते हैं कि आपके पास हमारे सवालों के जवाब हैं, लेकिन हम समझते हैं कि अब हम एक अस्पष्ट शीशे के आर-पार देख रहे हैं।

हम केवल आंशिक रूप से ही जानते हैं। इसलिए जीवन में भी जब हमें उलझन भरे सवालों के आंशिक उत्तर मिलते हैं, तो हम प्रार्थना करते हैं कि हमें आप पर भरोसा हो कि आखिरकार, हम वैसे ही जान जाएंगे जैसे हम जाने जाते हैं। मैं प्रार्थना करता हूँ कि जब हम हबक्कूक के संदेश पर विचार करते हैं तो हम इस छोटी सी पुस्तक से उभरने वाले कुछ स्थायी और शाश्वत विषयों को समझ पाएँगे जो हमें आपके अनुयायियों के रूप में मार्ग पर बने रहने में मदद कर सकते हैं। मैं अपने प्रभु मसीह के माध्यम से यह प्रार्थना करता हूँ। आमीन।

यह सिर्फ एक अनुस्मारक है कि अगले सप्ताह, बुधवार को हम सब मिलकर अपना अंतरधार्मिक फसह पर्व मनाएँगे।

हम अगली एक या दो कक्षाओं में इसके परिवहन पर काम करेंगे। आज हमारा विषय है हबक्कूक, जिसके बारे में मैंने कहा कि यह एक थियोडिसी है। थियोडिसी का अर्थ है मिश्रित दुनिया में परमेश्वर के तरीकों, न्याय, शक्ति, परमेश्वर के प्रेम का औचित्य सिद्ध करना।

जहाँ बाइबल यह घोषणा करती है कि परमेश्वर न्यायी है और किसी भी तरह से बुराई से जुड़ा नहीं है, तो फिर हम अपनी सोच में इसे कैसे लागू करते हैं? हबक्कूक उलझन में पड़ जाता है, और वह परमेश्वर के साथ इस संवाद में प्रवेश करता है। अध्याय 1 और 2 में उसके और परमेश्वर के बीच इस संवाद पर सवाल उठाने और जवाब देने की बात कही गई है। इसलिए वह दो सवाल पूछता है।

हम इन सवालों या शिकायतों पर एक नज़र डालेंगे। इसीलिए उन्हें कभी-कभी दार्शनिक पैगम्बर के नाम से भी जाना जाता है। बाइबल में दार्शनिक नहीं हैं, लेकिन कभी-कभी बाइबल ऐसे सवाल उठाती है जो दार्शनिकों के लिए भी महत्वपूर्ण होते हैं।

तीसरे अध्याय में, परमेश्वर के साथ उसकी शिकायतों में दो दौर में आगे-पीछे जाने और उसकी शिकायतों के बारे में परमेश्वर ने जो कहा है उसे सुनने के बाद, फिर उस तीसरे अध्याय में, हम परमेश्वर के उस शानदार ईश्वरीय प्रकटीकरण को जीवन से भी बड़े शब्दों में प्रस्तुत करते हैं। जहाँ बहस के अंत में, अगर आप कहें, तो यह दो दौर की बहस, हबक्कूक को अंत में जो मिलता

है वह ईश्वर है, न कि थियोडिसी के सवाल का तर्कसंगत जवाब। अब इस पुस्तक की पृष्ठभूमि के बारे में कुछ बातें।

संभवतः यह योशियाह के शासनकाल के अंत में लिखा गया था। संभवतः दक्षिणी राज्य के पतन से 15, शायद 20 साल पहले लिखा गया था। ऐसा लगता है कि सत्ता का संतुलन पहले ही बदल चुका था।

याद रखें, 612 की तारीख पुराने नियम के इतिहास के लिए महत्वपूर्ण है। यही वह तारीख है जब निनवे का पतन हुआ। और उसके बाद, अब, बेबीलोन प्राचीन निकट पूर्व में पूरी तरह से ड्राइवर की सीट पर है और क्षितिज पर नया मंडराता खतरा है।

जब हबक्कूक ने परमेश्वर की बुद्धि पर सवाल उठाया कि वह कसदियों को बुलाकर इस समस्या से निपटे जो उसे परेशान कर रही है, तो ऐसा लगता है कि उसके मन में कौन है? हबक्कूक के अंतिम अध्याय में, कुछ विद्वानों ने सवाल उठाया है कि क्या यह पुस्तक का मूल भाग था। यह निश्चित रूप से परमेश्वर पर भरोसे की स्वीकारोक्ति है।

ऐसा लगता है कि इसका इस्तेमाल सार्वजनिक पूजा में किया जाता था। आप अध्याय 3 में शिगियोनोथ पर धार्मिक संकेतन देखेंगे, जो एक संगीत निर्देश है, और निश्चित रूप से, उन तीन सिलास की पुनरावृत्ति जिसका अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए। किसी तरह का संगीत निर्देश।

शायद एक विराम जब संगीत बीच में आ सकता है और पाठक पिछली पंक्तियों के बारे में चिंतन और विचार करने के लिए रुक सकता है। कोई भी वास्तव में नहीं जानता कि सिला का क्या मतलब है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह मंदिर के संगीतकारों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली चीज़ थी और इसमें किसी तरह का संगीतमय विराम शामिल हो सकता है। हममें से ज्यादातर लोग हर दिन अपोक्रीफा नहीं पढ़ते हैं।

यह निश्चित रूप से कैथोलिक बाइबिल का हिस्सा है, लेकिन ईसाई बाइबिल का हिस्सा नहीं है। हालांकि, अमेरिका में कई ईसाइयों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि 1800 के दशक की शुरुआत तक अंग्रेजी बाइबिल की अधिकांश प्रतियों में अपोक्रीफा को शामिल किया गया था। तथ्य यह है कि अपोक्रीफा को RSV, NIV, विभिन्न अनुवादों से हटा दिया गया है जिन्हें हम आज उपयोग करते हैं, ESV, और अन्य अपेक्षाकृत आधुनिक बात है।

मैं अपोक्रीफा का उल्लेख इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि अपोक्रीफा में बेल और ड्रैगन की छोटी सी किताब में हबक्कूक का उल्लेख है। मैं बेल और ड्रैगन में एक दिलचस्प पैराग्राफ पढ़ रहा हूँ। यह एक कहानी है और अपोक्रीफा लेखन में यह एक बहुत ही संक्षिप्त कहानी है।

33-39 पंक्तियों में लिखा है, अब भविष्यवक्ता हबक्कूक यहूदिया में था, और उसने एक खिचड़ी पकाई और एक कटोरे में रोटी के टुकड़े डाले और उसे काटने वालों के पास ले जाने के लिए खेत में जा रहा था, जब प्रभु के दूत ने हबक्कूक से कहा, जो भोजन तुम्हारे पास है उसे बाबुल में शेर की मांद में दानियेल के पास ले जाओ। और हबक्कूक ने कहा, महोदय, मैंने बाबुल को कभी नहीं देखा, और मैं मांद को नहीं जानता। तब प्रभु के दूत ने उसके सिर के मुकुट को पकड़ लिया,

और मुझे लगता है कि यह एक माँ बिल्ली की तरह है जो जाल के पीछे से एक बिल्ली के बच्चे को पकड़ती है।

यहोवा के दूत ने उसके सिर के मुकुट को पकड़कर उसके बालों से उसे ऊपर उठाया और हवा की गति से उसे बेबीलोन में खोह के ठीक ऊपर उतार दिया। और हबक्कूक ने पुकारा, दानियेल, दानियेल, परमेश्वर ने जो भोजन भेजा है, उसे ग्रहण कर। और दानियेल ने कहा, हे परमेश्वर, तूने मुझे स्मरण किया है, और अपने प्रेम रखनेवालों को नहीं त्यागा है।

फिर दानियेल ने उठकर खाना खाया और परमेश्वर के दूत ने तुरन्त हबक्कूक को फिर से उसके स्थान पर रख दिया। यह एक रोचक छोटी कहानी है। अधिकांश प्रोटेस्टेंट इसे अपोकलिफ़ल कहेंगे।

यह सच है। यह अपोकलिफ़ा है। पवित्र शास्त्र में उस घटना का कोई उल्लेख नहीं है, लेकिन अपोकलिफ़ा में इसका समावेश बहुत दिलचस्प है।

तो, यह पुस्तक संभवतः 612 के तुरंत बाद लिखी गई थी और कसदियों का आक्रमण शक्तिशाली था और, मुझे लगता है कि यह 612 या 612 था, मुझे याद नहीं। मुझे यहूदा के लोगों की चिंता याद आती है। यिर्मयाह ने 627 से निर्वासन की चेतावनी दी थी और इसलिए यिर्मयाह और हबक्कूक समकालीन रहे होंगे।

कसदियों के कुछ पापों की सूची है, जैसा कि उन्हें कहा जाता है। कसदियों और बेबीलोनियों का नाम कसदियों के पाप के समानार्थी है। और वह सूची अध्याय 2 में पाँच विपत्तियों के अंतर्गत पाई जाती है।

हाय उस पर जो चोरी का माल इकट्ठा करता है। हाय उस पर जो अन्याय से लाभ उठाकर अपना राज्य बनाता है। हाय उस पर जो खून-खराबे से शहर बनाता है।

हाय उस पर जो अपने पड़ोसियों को पानी पिलाता है। हाय उस पर जो लकड़ी से कहता है, ज़िंदा हो जा। दूसरे शब्दों में, मूर्तिपूजा।

अध्याय 2 में पाए गए ये पाँच दुख बेबीलोन राष्ट्र को संबोधित करते प्रतीत होते हैं, जिसमें साम्राज्य और धन, वैभव और मूर्तिपूजा सहित विभिन्न प्रकार के दुर्गुणों की लालसा थी। और इसलिए, हबक्कूक के अंतिम अध्याय का उपयोग शवोत के दौरान आराधनालय में किया जाता है। शवोत, निश्चित रूप से, पेंटेकोस्ट है, और फसह के सात सप्ताह बाद तीन प्रमुख यहूदी छुट्टियों में से यह दूसरा आता है जब यरूशलेम में मंदिर में तीर्थयात्रा की जाती थी।

अध्याय 3 का विषय क्या है? आपने इसे पढ़ा है। फिर से, यह इस शक्तिशाली ईश्वर का रहस्योद्घाटन है जो पृथ्वी पर घूमता है और खुद को प्रकट करता है। ईश्वर का यह रहस्योद्घाटन इस भजन में है क्योंकि संभवतः हबक्कूक का तीसरा अध्याय एक भजन के अधिक करीब है, जिस तरह से इसकी रचना की गई है, उदाहरण के लिए एक भविष्यवाणी जैसी सामान्य भविष्यवाणी सामग्री की तुलना में।

यह तीसरा अध्याय हबक्कूक कमेंट्री नामक डेड सी स्क्रॉल सामग्री में गायब है। अब, कुमरान में कई अलग-अलग प्रकार की सामग्रियाँ पाई जाती हैं, जहाँ डेड सी स्क्रॉल स्थित हैं। हम कुमरान में पाई गई बाइबिल की पुस्तकों के बारे में सोचते हैं, और निश्चित रूप से, वहाँ बहुत सारी बाइबिल की पुस्तकें हैं।

लेकिन व्यवस्थाविवरण, भजन संहिता और यशायाह कई प्रतियों के मामले में ज़्यादा महत्वपूर्ण हैं। कुमरान में पवित्रशास्त्र की प्रतियों के अलावा अन्य रचनाएँ भी पाई गई हैं। बेशक, एस्तेर को छोड़कर सभी पुस्तकों की प्रतियाँ पूरी तरह या टुकड़ों में पाई गई हैं।

लेकिन डेड सी स्क्रॉल के अलावा भी कई दस्तावेज हैं। उनमें से कुछ तो अपोकलिफल हैं। कुछ अन्य दस्तावेज सांप्रदायिक हैं।

थैंक्सगिविंग स्क्रॉल, अनुशासन की नियमावली, जिसे कभी-कभी समुदाय का नियम कहा जाता है। युद्ध स्क्रॉल जो बताता है कि कैसे ये यहूदी जो अंतिम महान युद्ध में उतरे थे, संभवतः रोमनों के खिलाफ़। लेकिन कुमरान में एक और शैली पाई जाती है और वह है हबक्कूक टिप्पणी।

अन्य टिप्पणियाँ भी हैं, और हबक्कूक टिप्पणी हमें हिब्रू बाइबिल पर सबसे पुरानी टिप्पणियों में से एक का उदाहरण देती है। हबक्कूक टिप्पणी वास्तव में हबक्कूक के तीसरे अध्याय को छोड़ देती है, लेकिन यह हमें एक विधि दिखाती है जिसे विद्वान मिद्राश पेशर कहते हैं। मिद्राश पेशर का अर्थ है हिब्रू पाठ पर एक व्याख्यात्मक टिप्पणी।

पेशर शब्द का शाब्दिक अर्थ है व्याख्या करना। और मिद्राश एक बाइबिल पाठ की व्याख्यात्मक, अनुप्रयोग, कभी-कभी सूत्रात्मक या कहानी जैसी व्याख्या का विचार है। तो, मिद्राश पेशर।

पहले दो अध्यायों पर हबक्कूक टिप्पणी एक प्रकार की व्याख्या है जिसे मिद्राश पेशर या व्याख्यात्मक टिप्पणी के रूप में जाना जाता है। जिस तरह से उन्होंने इसे स्थापित किया है वह यीशु के समय से पहले की टिप्पणी का एक उदाहरण है। आप पहले आयत को उद्धृत करते हैं।

इसलिए, यदि आप हबक्कूक कमेंट्री खोलते हैं, तो आपको आयत उद्धृत मिलेगी, और फिर यह कहती है कि, इसका पेशर है। इसका स्पष्टीकरण पेशर है। और फिर यह हबक्कूक के विवरण को, दिलचस्प रूप से, उस विशेष दिन की वर्तमान समस्याओं पर लागू करने के लिए आगे बढ़ता है।

इसलिए, उन्होंने उस समय की दुनिया में अपने आस-पास देखने की कोशिश की, और अक्सर उनके आस-पास के रोमियों और उस तात्कालिक दुनिया के संबंध में स्पष्टीकरण पाया गया। ठीक है, अब आइए हबक्कूक की पुस्तक पर नज़र डालें। हबक्कूक की पुस्तक अपने आप में एक पुस्तक है।

सबसे पहले, पहले अध्याय के श्लोक 1-4 में, हमें हबक्कूक की पहली शिकायत या सवाल मिलता है। श्लोक 1-4 में, भविष्यवक्ता ने अलंकारिक प्रश्न का उपयोग करते हुए परमेश्वर से

पूछा, परमेश्वर, आप हिंसा की अनुमति क्यों देते हैं? आप इस सारी बुराई को जारी रहने, बिना दण्ड के जाने क्यों देते हैं? और इसलिए, श्लोक 2 कहता है, हे प्रभु, मुझे कब तक मदद के लिए पुकारना होगा? आप सुनते नहीं या मैं हिंसा के लिए पुकारता हूँ, लेकिन आप उद्धार या बचाव नहीं करते। आप मुझे अन्याय क्यों देखने देते हैं? आप अन्याय, विनाश और हिंसा को क्यों सहन करते हैं? वे हमेशा मेरे सामने रहते हैं, संघर्ष, टकराव बहुत अधिक है, और कानून पूरी तरह से पंगु लगता है।

दूसरे शब्दों में कहें तो ईश्वर का शासन एक मृत मुद्दा है। अन्याय सबसे ज़्यादा बोली लगाने वाले को मिलता है। यह विकृत है।

तो, यह पैगंबर की शिकायत है। और भगवान एक उत्तर के साथ वापस आते हैं कि वह दंडित करने जा रहे हैं। यह वह उत्तर नहीं है जिसकी उन्हें तलाश थी, जैसा कि आप यहाँ पाठ को पढ़कर जानते हैं, लेकिन अध्याय 1 के बाकी हिस्सों में, विशेष रूप से श्लोक 11 तक, 5-11 से, उत्तर यह है कि भगवान बेबीलोनियों द्वारा यहूदा को दंडित करने जा रहे हैं।

और जब आप यहाँ पाठ को देखते हैं, तो भगवान पद 5 में कहते हैं, मैं तुम्हारे दिनों में कुछ ऐसा करने जा रहा हूँ जिस पर तुम विश्वास नहीं करोगे। मैं बेबीलोनियों को ऊपर उठा रहा हूँ, जिन्हें आगे के पदों में निडर और खूंखार लोगों के रूप में वर्णित किया गया है, जिनके घोड़े तेंदुओं से भी तेज़ और भेड़ियों से भी ज़्यादा खतरनाक हैं, और उनके पास घुड़सवार सेना है, और वे आते हैं, और वे हिंसा पर आमादा हैं, पद 9, और वे कैदियों को इकट्ठा करते हैं, जैसे मुट्ठी भर रेत लेना, यह कितना रूपक या उपमा है। वे किलेबंद शहरों पर हँसते हैं, और यहाँ एक छोटा सा वाक्यांश है जो बाइबिल के पुरातात्विक अध्ययनों को छूता है।

वे मिट्टी के रैंप बनाते हैं, श्लोक 10, जो हमें घेराबंदी युद्ध की याद दिलाता है, कैसे लोग दीवार तक रैंप में चढ़ गए ताकि वे वहाँ बैटरिंग राम को ले जा सकें। तो, वास्तव में यहजेकेल इन घेराबंदी रैंप के बारे में अधिक जानकारी देता है जो शहर के कुछ कमजोर हिस्सों में रखे गए थे। ठीक है, तो, ये बेबीलोन के लोग हैं, और हबक्कूक, हालांकि, एक और सवाल के साथ वापस आता है।

वह इस बात से संतुष्ट नहीं है कि परमेश्वर बेबीलोनियों का इस विशेष तरीके से उपयोग करने जा रहा है क्योंकि वह यहूदा को बेबीलोनियों से कम दुष्ट मानता है। बेबीलोनवासी बेबीलोनियों से ज़्यादा दुष्ट लोग हैं। और इसलिए, उसकी दूसरी शिकायत ठीक यही है।

आपको अपने वाचा के लोगों के खिलाफ बेबीलोनियों का इस्तेमाल क्यों करना चाहिए, कम दुष्टों को दंडित करने के लिए अधिक दुष्टों का उपयोग क्यों करना चाहिए? इसका कोई मतलब नहीं है। और इसलिए, वह अध्याय 1 के बाकी हिस्सों में इस शिकायत के साथ आता है कि एक पवित्र परमेश्वर दुष्टों को ईमानदार लोगों को दंडित करने की अनुमति कैसे दे सकता है। इसलिए, वह उसे पवित्र व्यक्ति के रूप में वर्णित करता है, श्लोक 12।

हम इस रोचक अभिव्यक्ति को तब देखेंगे जब हम यशायाह, इस्राएल के पवित्र व्यक्ति के पास आएंगे, जो यशायाह के लिए महत्वपूर्ण और बल्कि अद्वितीय अभिव्यक्तियों में से एक है। हबक्कूक ने यहाँ पवित्र व्यक्ति का उपयोग किया है। आपने उन्हें न्याय करने के लिए नियुक्त किया है? आपने उन्हें दंड देने के लिए नियुक्त किया है? हबक्कूक इस बात से काफी परेशान है।

श्लोक 13 में सब कुछ कह दिया गया है। आपकी आँखें इतनी शुद्ध हैं कि आप बुराई नहीं देख सकते। आप गलत को बर्दाश्त नहीं कर सकते।

मेरा मतलब है, आप एक पवित्र ईश्वर हैं। आप एक न्यायप्रिय ईश्वर हैं। फिर, आप विश्वासघातियों को क्यों सहन करते हैं? वे बेबीलोन के लोग हैं। जब दुष्ट लोग अपने से अधिक धर्मी लोगों को निगल जाते हैं, तो आप चुप क्यों रहते हैं? तो, ईश्वर ऐसे क्रूर और बर्बर राष्ट्र का उपयोग कैसे कर सकता है? और निश्चित रूप से, आप उस राष्ट्र के बारे में पाठ्यक्रम विवरण चाहते हैं।

अगले अध्याय में पाँच विपत्तियों पर जाएँ और आपको बताएँ कि वे किस तरह से भोजन से बाहर हैं। वैचारिक रूप से, वह बुरे व्यवहार के संदर्भ में बोल रहे हैं। इसलिए, वे अंदर आएँगे और ठीक वैसे ही जैसे जाल या ड्रैग नेट बड़ी संख्या में मछलियाँ इकट्ठा करता है।

बेबीलोन यही करने जा रहा है। वे दुष्ट लोग हैं, और वे तुम्हारे लोगों को मछलियों की तरह और बड़ी संख्या में उठा लेंगे। और वे पूरे समय हँसते रहेंगे, खुशी मनाते रहेंगे, श्लोक 15, हमारे पतन पर।

और यह राष्ट्र अपने जाल को खाली करता रहेगा, न केवल हमें बल्कि अन्य राष्ट्रों को भी बिना दया के नष्ट कर देगा। यह दिलचस्प अभिव्यक्ति, बिना दया के, दया है। बेशक, गॉर्डन के छात्रों द्वारा किसी भी परीक्षा के मुखपृष्ठ पर मुझे सबसे अधिक उद्धृत की जाने वाली आयत हबक्कूक 3:2 मिलती है। क्रोध में, दया को याद रखें।

लेकिन वास्तव में यहाँ दो जगहें हैं जहाँ दया होती है। और एक अध्याय 1 का अंतिम शब्द है। बेबीलोन यही है। यह निर्दयी है।

और इसलिए, परमेश्वर के लिए यह आह्वान है कि वह अपने लोगों को याद रखे, उनके लिए दयालु बने, भले ही उन्हें आगे आने वाले कठिन समय का सामना करना पड़े। अब, भविष्यवक्ता इस दूसरी शिकायत को मूल रूप से यह कहते हुए समाप्त करता है, ठीक है, मेरे पास यह समस्या है कि आप कम दुष्टों से निपटने के लिए अधिक दुष्टों का उपयोग करने जा रहे हैं। और वह अनिवार्य रूप से कहता है, मैं दीवार पर अपना स्टैंड, अपनी स्थिति लेने जा रहा हूँ, बिल्कुल एक पहरेदार की तरह, यशायाह के रबशाके की तरह वहाँ बाहर देख रहा हूँ, वहाँ बाहर देख रहा हूँ और किसी तरह की चुनौती का जवाब पा रहा हूँ।

और इसलिए, 2:1, जो दूसरी शिकायत को समाप्त करता है, कहता है, मैं अपनी दूसरी शिकायत के उत्तर की प्रतीक्षा करने जा रहा हूँ। अब, 2:2 से शुरू करके और दूसरी शिकायत का उत्तर देते हुए, परमेश्वर कैसे वापस आता है? इस छोटे से भाग से बाइबिल की व्याख्या के पूरे इतिहास में एक ही आयत पर दो सबसे महत्वपूर्ण विचार सामने आए हैं। सदियों से ईसाई व्याख्याकारों की

तरह रब्बी हमेशा इस बात में रुचि रखते हैं कि क्या पवित्रशास्त्र में कोई एक आयत है जो सबसे महत्वपूर्ण है? या यह सब किस बात पर निर्भर करता है? एक पुरानी कहावत है कि यीशु के दिनों में व्याख्या के दो मुख्य स्कूल हिलेल और शम्माई थे।

और, बेशक, चुनौती यह है कि क्या आप टोरा के बारे में जानने योग्य सभी बातों को एक ही पैर पर बता सकते हैं? बेशक, शम्माई, जो बहुत सख्त और बहुत विस्तृत और बहुत हलाकिक थे, ऐसा कभी नहीं कर सकते थे। लेकिन जब हिलेल से एक बुतपरस्त ने पूछा, क्या आप यहूदी धर्म के बारे में जानने योग्य सभी बातों का एक ही पैर पर सारांश दे सकते हैं? उन्होंने जवाब दिया, जो आपके लिए या आपके लिए हानिकारक है, उसे किसी और के साथ न करें। पवित्रशास्त्र में बाकी सब कुछ उसी एक विषय पर टिप्पणी है।

तथाकथित स्वर्णिम नियम का एक संस्करण, दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करो जैसा तुम चाहते हो कि वे तुम्हारे साथ करें, जो दया और करुणा के इस प्रश्न को दर्शाता है। और निश्चित रूप से, हिलेल को शम्माई के कठोर और सख्त और कभी-कभी न्यायपूर्ण तरीके से बहस में सामने आने वाले की तुलना में अधिक दयालु और शायद दयालु और दयालु के रूप में जाना जाता था। तल्मूड में हिलेल के शिष्यों और शम्माई के शिष्यों के बीच 316 बहसें हैं।

200 के दशक तक, एक रब्बी सिमलाई, सिमलाई थे, जिन्होंने बाइबल की पहली पाँच पुस्तकों में सभी आज्ञाओं की गिनती सबसे पहले की थी। इसे आज तारयाग का नियम कहा जाता है। और अगर आप एनसाइक्लोपीडिया जुडाइका में जाएँ और तारयाग देखें, तो यह एक संक्षिप्त नाम है, इसमें चार हिब्रू अक्षर शामिल हैं, और जब आप उन हिब्रू अक्षरों में से प्रत्येक के संख्यात्मक समकक्ष प्राप्त करते हैं, तो यह 613 निकलता है।

तारयाग का नियम, 613 आज्ञाएँ, 365 नकारात्मक आज्ञाएँ, वर्ष के प्रत्येक दिन के लिए एक, और 248 सकारात्मक आज्ञाएँ रब्बी सिमलाई ने पाईं। लेकिन फिर रब्बी सिमलाई ने इन सभी को संक्षेप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। क्या आप शास्त्र में एक ऐसी आज्ञा पा सकते हैं जो सब कुछ कह दे? यह दिलचस्प है, वह कई अलग-अलग विन्यास और कम करने वाली चीजें देता है।

वह हबक्कूक 2:4 को हिब्रू बाइबिल की मूल पंक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है। वह व्यक्ति जो न्यायी या धार्मिक व्यक्ति है, वह व्यक्ति जो परमेश्वर के साथ वाचा के रिश्ते में है, वह ईमानदारी से जीने वाला है। इसका मतलब है कि वह दृढ़ता और स्थिरता के साथ जीता है और वह दृढ़ संकल्प और दृढ़ता के साथ उसमें टिका रहता है।

इसलिए हमारे पास शुरुआती यहूदी सोच में भी है, अगर बाइबल में एक भी श्लोक है, तो यह हबक्कूक से आया है, न कि टोरा से, लेकिन यह संक्षेप में बताता है कि हर व्यक्ति को वास्तव में क्या करने के लिए कहा जाता है। और इसका मतलब है कि दुनिया में सभी अन्य स्थिरता के बावजूद, और हमारे आस-पास के सभी कठिन समय और समस्याओं के बावजूद, आप वहाँ टिके रहते हैं, ईमानदारी से अपना जीवन जीते हैं। अब, बेशक, मार्टिन लूथर ने इसी पाठ को चुना, और यह सुधार का युद्ध का नारा बन गया।

क्योंकि नए नियम में तीन बार हबक्कूक 2.4 से उस अभिव्यक्ति को निकाल कर धर्मशास्त्रीय रूप से थोड़ा संशोधित किया गया है, धर्मी लोग विश्वास से जीवित रहेंगे। अब, बाइबल में, हबक्कूक की शिकायत के लिए परमेश्वर का उत्तर, यहाँ मूल संदर्भ पर वापस जाते हुए, परमेश्वर का उत्तर रहस्योद्घाटन को लिखना और उसे पटियाओं पर स्पष्ट करना है ताकि संदेशवाहक उसके साथ चल सकें। क्योंकि रहस्योद्घाटन एक नियत समय की प्रतीक्षा करता है, यह अंत की बात करता है।

यह झूठा साबित नहीं होगा। और भले ही यह देर से आए, लेकिन इसका इंतज़ार करें, और यह निश्चित रूप से आएगा और इसमें देरी नहीं होगी। किस बात का इंतज़ार करें? खैर, यहाँ के संदर्भ में, यह बेबीलोन के विनाश का आह्वान करता हुआ प्रतीत होता है, ये लोग जो आने वाले हैं और दक्षिणी राज्य में दुख लाएँगे।

लेकिन यहाँ के संदर्भ में, बेबीलोन का अपना दिन आने वाला है, इसलिए मुझे ऐसा लगता है जब वह कहता है कि भले ही यह रुक जाए, लेकिन इसके लिए प्रतीक्षा करें, 539 का इंतज़ार करें, जैसा कि हम इस पर नज़र डालते हैं। फारस का इंतज़ार करें, जो 539 में, साइरस द ग्रेट के उदय के साथ, बेबीलोन के राष्ट्र को उखाड़ फेंकने जा रहा है। श्लोक 4 में, इस प्रसिद्ध अंश पर आने से पहले, धर्मी विश्वास से जीवित रहेगा, या धर्मी अपनी वफ़ादारी से जीवित रहेगा; यह कहता है, देखो या देखो, वह घमंडी है, उसकी इच्छाएँ सही नहीं हैं।

यह संभवतः बेबीलोन के राजा का व्यक्तित्व है। वह पूरी तरह से घमंडी है, और उसकी इच्छाएँ अच्छी नहीं हैं। श्लोक 5 कहता है कि वह घमंडी है, कभी आराम नहीं करता, और वह कब्र की तरह लालची है, वह सभी राष्ट्रों को अपने पास इकट्ठा करता है और सभी लोगों को बंदी बना लेता है, क्या वे सभी उसका उपहास और तिरस्कार नहीं करेंगे।

इसलिए, संदर्भ के अनुसार ऐसा लगता है कि यह व्यक्ति घमंड से फूला हुआ है, और निश्चित रूप से, यशायाह 14 बेबीलोन के राजा और उसके घमंड के बारे में बात करता है। इसलिए, वह शायद बेबीलोनियों के लिए एक सामूहिक है। लेकिन समय के साथ फारस को इस घमंडी को नीचे गिराना है और कसदियों या बेबीलोन को बेबीलोन के राजा के न्याय से नहीं बचा सकता।

और इसलिए, उसके पाप। अब, यहाँ विरोधाभास है। इसका मूल संदर्भ यह है कि आपको अपनी दुनिया के बिखरने के बावजूद, विदेशी सेनाओं के आने के बावजूद, राजनीतिक उत्पीड़न के बावजूद आगे बढ़ना है।

ईश्वर का रहस्योद्घाटन कहता है कि अपने रोज़मर्रा के जीवन को जारी रखने के लिए एक वफ़ादार, स्थिर, दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें। यह कहता है कि आपको इसी तरह काम करना है। तो यहाँ रहने का मतलब सुरक्षा से कहीं ज़्यादा है।

धर्मी व्यक्ति, सदाचारी व्यक्ति, आसन्न विनाश से बच जाता है क्योंकि उसके पास आत्मविश्वास है। यह क्या है? संगीत की ध्वनि? मुझे आत्मविश्वास है। मैं यह पंक्ति सुनता हूँ।

और यह एक तरह का संदेश है कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने दैनिक कार्यों को करते समय, आप इसे आत्मविश्वास से और स्वयं प्रभु की शक्ति से करते हैं, जो जीवन से भी बेहतर है। इसी तरह आप जीते हैं। अब इस आयत को उद्धृत करने में पौलुस का एक अलग उद्देश्य था।

क्या उसने इसे संदर्भ से बाहर उद्धृत किया? खैर, एक अर्थ में, हाँ; दूसरे अर्थ में, नहीं। नए नियम के लेखक अक्सर थोड़े अलग धार्मिक मोड़ देते थे या उनके पास पुराने नियम के कुछ पाठों का उपयोग करने के लिए अलग-अलग उद्देश्य होते थे। अब पॉल के लिए, पॉल विश्वास द्वारा उद्धार में रुचि रखता था।

पौलुस के लिए, अब्राहम उसका नायक था क्योंकि अब्राहम परमेश्वर पर विश्वास करता था। उत्पत्ति 15:6. और यह उसके लिए धार्मिकता गिना गया। तो, पौलुस रोमियों के शुरुआती अध्यायों में अब्राहम पर इतना अधिक जोर देता है, क्या यह पौलुस का तरीका है?

उसने परमेश्वर पर भरोसा किया। उसने परमेश्वर पर विश्वास किया। मानवीय धार्मिकता के कामों से नहीं, बल्कि विश्वास से।

और इसलिए, पॉल के लिए, धार्मिकता पर जोर दिया गया, धार्मिकता के कामों पर नहीं। या जैसा कि हम विश्वास के सुसमाचार, जॉन के सुसमाचार, पिस्तेउओ में जानते हैं, विश्वास करना, भरोसा करना। पॉल के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण था।

और साथ ही, उस विश्वास का उद्देश्य मसीह में विश्वास है। अब, बेशक, हबक्कूक के इस संदर्भ में इनमें से कुछ भी नहीं पाया जाता है। यहाँ तत्काल संदर्भ में कोई कार्य और विश्वास का विरोधाभास नहीं चल रहा है।

मसीह में विश्वास के माध्यम से मुक्ति या मसीह में विश्वास के द्वारा औचित्य जैसा कि हम ईसाई चर्च की धर्मशास्त्रीय भाषा में जानते हैं। यहाँ ऐसा नहीं हो रहा है। यहाँ लेखक के लिए, यह शब्द एमुनाह एक बहुत ही महत्वपूर्ण शब्द है।

रब्बियों ने इस शब्द पर जोर दिया क्योंकि इसका पहली बार निर्गमन के 17वें अध्याय में इस्तेमाल किया गया था। और इसका शाब्दिक अर्थ वहाँ अमालेकियों के संदर्भ में पाया जाता है। वे इस्राएलियों को काट रहे थे जब वे सिनाई प्रायद्वीप से गुज़र रहे थे और सिनाई में कानून प्राप्त करने के लिए जा रहे थे।

और इसलिए, जोशुआ को अपना पहला सैन्य अनुभव तब मिलता है जब वह अमालेकियों को मार गिराता है, लेकिन केवल तब जब मूसा पहाड़ी की चोटी पर होता है और हारून उसकी एक भुजा को थामे रहता है क्योंकि वे थके हुए थे और हारून दूसरी भुजा को थामे रहता है। और बाइबिल के पाठ में कहा गया है कि मूसा की भुजाएँ सूर्य के अस्त होने तक एमुनाह बनी रहीं। इसका अनुवाद कैसे किया जाता है? आपके पास जो संस्करण है, उसके आधार पर, दृढ़ या स्थिर।

और इसलिए, हमारा शब्द आमीन इसी मूल से निकला है। जब आप आमीन कहते हैं, तो आप कह रहे हैं कि मैं इसकी पुष्टि करता हूँ। यह ठोस है, यह स्थिर है, यह आधार है।

यह बात लुप्त नहीं होने वाली है। यह बात सत्य है। इसलिए, धर्मी व्यक्ति अपने द्वारा जीवित रहेगा, अर्थात्, जो धर्मी व्यक्ति इस्राएल के परमेश्वर को जानता है, वह दृढ़ता या स्थिरता, रहस्योद्घाटन के प्रति अडिग निष्ठा से जीवित रहेगा।

जब आपके आस-पास की हर चीज़ ढह रही हो, तब आप नहीं टूटेंगे, इसलिए विश्वास आपको अपने जीवन में दृढ़ता देता है। विश्वास कुछ और नहीं बल्कि सर्वव्यापीता की जीवंत चेतना है। और इसलिए बाइबल एक दृढ़ता है, एक दृढ़ता जो आपको एक आंतरिक दृढ़ता देती है।

देखिए, मुझे लगता है कि हम गलत हैं, जहाँ इसे कुछ ईसाई क्षेत्रों में बेचा जाता है, जहाँ अगर आप मसीह के पास आते हैं, तो यह एक तरह से पोलीन्ना संस्करण है कि अब मसीह आपके साथ है, और सब कुछ ठीक हो जाएगा। बाइबल वास्तव में आपसे जो वादा करती है वह है आंतरिक दृढ़ता, आंतरिक शांति, आंतरिक शक्ति, और आत्मा की स्थिरता और स्थिरता। पॉल का संस्करण, वास्तव में, यदि आप उसके आनन्द के पत्र को देखें, जो फिलिप्पियों में है, जहाँ वह उस छोटे से पत्र में बारह बार आनन्दित होने के लिए कहता है, यह उसके जेल के पत्रों में से एक है।

और पौलुस को रिहा होने की शायद बहुत कम उम्मीद के साथ कैद किया गया था और उसने फिलिप्पियों से बात की कि उन्हें कठिनाइयों के बीच कैसे जीना है। और, बेशक, वह कहता है कि प्रभु में आनन्दित रहो, प्रभु में आनन्दित रहो। वह कहता है कि मैंने सीखा है कि मैं जिस भी स्थिति में हूँ, उसमें संतुष्ट रहना चाहिए।

मैं उसके द्वारा सब कुछ कर सकता हूँ जो मुझे सामर्थ्य देता है। किंग जेम्स वर्शन, मैं मसीह के द्वारा सब कुछ कर सकता हूँ जो मुझे सामर्थ्य देता है। अब पॉल के लिए, पॉल जानता था कि बाहरी परिस्थितियाँ ऐसा करने वाली नहीं थीं।

स्टोइकवाद पॉल का उत्तर नहीं था, हालाँकि स्टोइक पॉल से पहले कुछ शताब्दियों से ही मौजूद थे। यह मुस्कुराना और सहना, अनुग्रह करना और उसे धारण करना नहीं है। पॉल अपने भीतर से दूसरे संसाधन को खींचने की बात करता है, जो उसके पास था।

मसीह जो हमारे भीतर रहता है, फिलिप्पियों 4:13 का एक अनुवाद है कि मेरे भीतर रहने वाले की शक्ति के माध्यम से मुझे सभी परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति है। अब यह इस बात का संकेत देता है कि यह अंश किस बारे में है और अन्य स्थानों पर भी जहाँ यह श्लोक आता है। उदाहरण के लिए, इब्रानियों 10:35-39 में अन्य स्थानों पर, इसका उपयोग इस अर्थ में किया गया है कि धर्मी लोग विश्वास से जीवित रहेंगे।

इब्रानियों के लेखक कहते हैं कि अपना आत्मविश्वास मत खोइए, और इसका भरपूर प्रतिफल मिलेगा। आपको दृढ़ रहना चाहिए ताकि जब आप परमेश्वर की इच्छा पूरी कर लें, तो आपको वह मिल जाए जो उसने वादा किया है। क्योंकि जो आने वाला है, वह थोड़े ही समय में आएगा और देर नहीं करेगा, ऐसा लगता है कि यह यीशु की वापसी का संकेत है।

परन्तु मेरा धर्मी जन अर्थात् विश्वासी, जो परमेश्वर के साथ वाचा में हैं, परन्तु मेरा धर्मी जन जब तक न आए तब तक विश्वास से जीवित रहेगा। और यदि वह पीछे हट जाए, तो मैं उससे प्रसन्न न होऊंगा। परन्तु हम पीछे हटनेवालों में से नहीं हैं।

एमुनाह का दूसरा पहलू पीछे हटना, घुलना-मिलना, हार मान लेना है। तो, एमुनाह आत्मा का वह आत्मविश्वास है जो मुश्किल समय में भी डटे रहने में मदद करता है। अध्याय 2 का अंत बहुत ही दिलचस्प है, जब वह बेबीलोन साम्राज्य की बुराई, पाँच विपत्तियों वाले इस शहर के बारे में बताता है।

मैं बेबीलोन के लोगों की सभी बुराइयों के बारे में बात नहीं करने जा रहा हूँ जैसा कि उन्होंने यहाँ सूचीबद्ध किया है। लेकिन मैं विशेष रूप से श्लोक 18-20 पर टिप्पणी करना चाहता हूँ। जिस चीज़ ने इस्राएल के धर्म को अन्य धर्मों से अलग किया वह यह तथ्य था, जैसा कि अब्राहम जोशुआ हेशेल कहते हैं, ईश्वर जीवित है।

वह वास्तविक है। और हबक्कूक यहाँ जो करता है, जैसा कि भविष्यवाणी शैली के लिए विशिष्ट है, यह यिर्मयाह और कुछ अन्य भविष्यवक्ताओं द्वारा कई स्थानों पर किया गया है, उस समय दुनिया के प्रतिस्पर्धी देवताओं का मज़ाक उड़ाना है क्योंकि वे जीवित नहीं हैं। और उस दिन की मूर्तिपूजा अंत में विफल हो गई क्योंकि केवल इस्राएल का परमेश्वर, क्योंकि वह जीवित था, वास्तविक और सच्चा रहस्योद्घाटन दे सकता था।

इसलिए, वह श्लोक 18 में कहता है, एक मूर्ति का क्या मूल्य है, क्योंकि उसे एक मनुष्य ने गढ़ा है? एक ऐसी छवि जो झूठ सिखाती है। क्योंकि जो इसे बनाता है, वह अपनी ही बनाई हुई चीज़ पर भरोसा करता है। वह ऐसी मूर्तियाँ बनाता है जो बोल नहीं सकतीं।

धिकार है उस पर जो लकड़ी से कहता है, ज़िंदा हो जाओ या बेजान पत्थर से कहता है, जागो। क्या यह मार्गदर्शन दे सकता है? आलंकारिक प्रश्न। बिल्कुल नहीं।

यह सोने और चांदी से ढका हुआ है, लेकिन इसमें कोई सांस नहीं है। यहाँ मूर्तियों का संकेत यह है कि वे असली नहीं हैं। इसके विपरीत, भगवान अपने पवित्र मंदिर में हैं।

पूरी दुनिया उसके सामने चुप हो जाए। महान, कथित तौर पर महान स्टॉकब्रोकर ईएफ हटन के पतन से पहले, शायद 10 साल पहले, उनके पास टीवी पर सबसे अच्छे विज्ञापनों में से एक था। यह इस तरह था: जब ईएफ हटन बोलते हैं, तो हर कोई सुनता है।

यह ऐसा होगा जैसे गोल्फ़ मैच के दौरान सैकड़ों लोग ग्रीन के इर्द-गिर्द इकट्ठे हुए हों। और अचानक, कोई अपना मुँह खोलता है और सब शांत हो जाता है, बिल्कुल खामोश। जब ई.एफ. हटन बोलते हैं, तो हर कोई सुनता है।

यह विचार है कि पृथ्वी को इस ईश्वर के सामने चुप रहने दिया जाए जो अपने पवित्र मंदिर में है। वह रहस्योद्घाटन दे सकता है। वह रहस्योद्घाटन देता है।

जैसा कि पीओडी कहते हैं, वह जीवित है। इस पुस्तक का चरमोत्कर्ष, पुस्तक का समापन, उसके बाद आता है जब वह ईश्वर की यह तस्वीर देता है जो जीवन से भी बड़ा है। और वह पिछले रहस्योद्घाटन का हवाला देता है या उसका संकेत देता है।

यह परमेश्वर जो आता है। 3:3 में। यह परमेश्वर जो टी-मैन से आता है, जो यहूदा के दक्षिण में था। इस पवित्र व्यक्ति ने खुद को पारान पर्वत से प्रकट किया, जो कादेश बर्निया के दक्षिण में था।

कादेश बर्निया क्या था? बाइबल में इसका महत्व क्यों है? यह जंगल में मुख्य शिविर बन गया, वह स्थान जहाँ से बारह जासूस भेजे गए, जहाँ इस्राएल ने लगभग 38 वर्षों तक कादेश बर्निया में शिविर स्थापित किया। और जहाँ मूसा के परिवार के सदस्यों में से एक को दफनाया गया था।

कादेश बरनेआ। ठीक उसके पास पारान पर्वत है। लेकिन परमेश्वर अपनी महिमा में स्वर्ग को ढक लेता है।

उसकी प्रशंसा पृथ्वी पर छा जाती है। उसका तेज सूर्योदय के समान है। उसके हाथ से किरणें निकलती हैं।

वह खड़ा हुआ और धरती को हिला दिया। उसने देखा और राष्ट्रों को काँपने पर मजबूर कर दिया। ऐसा लगता है मानो यह विशाल, जीवन से भी बड़ी आकृति पूरी धरती के सामने खड़ी है।

कविता उच्च कोटि की है। यह अतिशयोक्तिपूर्ण है। यह अतिशयोक्तिपूर्ण है।

यह बताने के लिए कि पूरी धरती उस शक्तिशाली की उपस्थिति में स्थिर है। जिसके सामने प्राचीन पहाड़ टूट गए। उसके मार्ग शाश्वत हैं।

यहाँ एक संदर्भ है, शायद लाल सागर के पार आने का। क्या आपने अपने घोड़ों और अपने विजयी रथों के साथ सवार होकर समुद्र के खिलाफ क्रोध किया था? आपने अपना धनुष खोला। आपने कई तीर मंगवाए।

तूने धरती को नदियों से चीर दिया। निर्गमन 15 क्या कहता है? यहोवा एक योद्धा है। मूसा का गीत।

लाल सागर पर मरियम। तुम्हारे उड़ते हुए तीरों की चमक से, तुम्हारे चमकते भाले की बिजली से, सूर्य और चंद्रमा आकाश में स्थिर हो गए। क्रोध में, तुम पृथ्वी पर चले गए, और क्रोध में, तुमने राष्ट्रों को कुचल दिया।

आप अपने लोगों, उद्धारकर्ता, अभिषिक्त जन को छुड़ाने के लिए बाहर आए। अभिषिक्त जन कौन है? इस्राएल। फिर से, हम भविष्यवक्ताओं में परमेश्वर के इस्राएल में आने, इस्राएल को छुड़ाने के विषय को देख रहे हैं।

पृथ्वी पर अपने उद्देश्यों के लिए परमेश्वर द्वारा नियुक्त व्यक्ति। तब भाषा फिरौन की ओर दृढ़ता से इशारा करती प्रतीत होती है। यह उद्धार का इतिहास है क्योंकि परमेश्वर पहले से ही इतिहास में अपने लोगों को छुड़ाने के लिए आया है।

तूने दुष्टता के देश के सरदार को कुचल दिया। तूने उसे सिर से पाँव तक नंगा कर दिया, मिस्रियों का विनाश कर दिया। तूने अपने भाले से उसका सिर छेद दिया, जब उसके योद्धा हमें तितर-बितर करने के लिए बाहर निकले, मानो छिपे हुए दुष्टों को निगलने वाले हों।

तुमने अपने घोड़ों से समुद्र को रौंदा, और विशाल जल को मथ डाला। तो यहाँ इशारा उस ईश्वर की ओर है जो लाल सागर के किनारे जंगल में इस्राएल के इतिहास में आया है। वह उन्हें बचाने, उन्हें बचाने के लिए, एक योद्धा की तरह, जीवन से भी बड़ा आया।

मैग्रेलिया का पूर्वाभ्यास, वह शब्द जिसे चर्च ने इस्राएल के परमेश्वर की महान मुक्तिदायी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया, महान चीजें, मैग्रेलिया, जिनका पूर्वाभ्यास किया गया, बताया जाना चाहिए। और अगर हमारे पास कुछ बेहतरीन भजनों में इसके लिए एक पैटर्न है जो पुराने समय के परमेश्वर के कार्यों को याद करते हैं, तो हम पूर्वाभ्यास कर रहे हैं, हम याद कर रहे हैं। पवित्रशास्त्र में इसके लिए एक पैटर्न है।

फिर, पुस्तक का समापन श्लोक 16बी से लेकर अंत तक है। वह कहता है, मुझे संकट के दिन का धैर्यपूर्वक इंतजार करना होगा, जो निश्चित रूप से 2:3 से जुड़ा हुआ है। भले ही यह देर से आए, लेकिन इसका इंतजार करें। यह निश्चित रूप से आएगा और इसमें देरी नहीं होगी।

तो, यह बात है। ठीक है, 539 ईसा पूर्व, जब फारस बेबीलोन को गिरा देगा, यह कुछ ऐसा है जिसका मुझे धैर्यपूर्वक इंतजार करना होगा, उस दिन की विपत्ति, हम पर आक्रमण करने वाले राष्ट्र पर आएगी। अब, यह छोटी सी अभिव्यक्ति शायद इस तथ्य की ओर इशारा करती है कि, जैसा कि आप जानते हैं, लगभग एक दशक की अवधि में, बेबीलोन ने 586 में अंतिम तख्तापलट से पहले तीन बड़े हमलों में यरूशलेम पर हमला करने के लिए अपनी सेनाएँ भेजीं।

तो शायद भविष्यवक्ता ने पहले ही अनुमान लगा लिया था कि आक्रमण शुरू हो चुका है। फिर वह कहता है, हालाँकि अंजीर के पेड़ पर फूल या कलियाँ नहीं खिलतीं, और बेल पर अंगूर नहीं लगते, जैतून की फसल विफल हो जाती है, और अनाज के खेत भोजन नहीं देते, फिर भी हमारी कृषि तिकड़ी फिर से हमारे पास आ रही है जिसे हमने होश में देखा था। शराब, तेल और अनाज।

बाइबिल की अर्थव्यवस्था के तीन मुख्य तत्व। तो, वह कहते हैं, मान लीजिए कि यह एक कृषि आपदा है। इसके अलावा, पशुपालन विफल हो जाता है।

बाड़े में भेड़ें नहीं हैं। खलिहानों में गायें नहीं हैं। फिर भी मैं प्रभु में आनन्दित रहूँगा।

फिर से, क्या यह प्रेरित पौलुस के पीछे हो सकता है, जिसने अपने व्यक्तिगत कठिनाई के समय में इस तरह के कार्यों पर ध्यान दिया होगा? वह कहता है, मैं प्रभु में आनन्दित होऊँगा, और मैं

अपने उद्धारकर्ता, अपने उद्धारक परमेश्वर में आनन्दित होऊंगा। प्रभु परमेश्वर मेरी ताकत है। इसी तरह आप कठिन समय से गुजरते हैं।

प्रभु मेरी ताकत है। यह एक आंतरिक शक्ति है जो लोगों को हर परिस्थिति से निपटने में सक्षम बनाती है। वह मेरे पैरों को पहाड़ी बकरी, या हिरन, या हिरण के पैरों की तरह ऊंचाइयों पर पकड़ बनाने में सक्षम बनाता है।

ईश्वर व्यक्ति को आत्मविश्वास प्रदान करता है। इसलिए, अंत में, इस पर मेरा यही अंतिम शब्द है। बाइबल के अनुसार, संबंध, तर्क से अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।

बाइबल हमेशा अंतिम उत्तर नहीं देती। यह परमेश्वर के बारे में ही उत्तर देती है। यह एक रिश्ता देती है, और वह रिश्ता ही है जो जीवन के कठिन समय में हमारे पास होता है।

चाहे कुछ भी हो जाए, वह सबसे बुरे समय में भी प्रभु को दृढ़ता से थामे रहेगा, ठीक उसी तरह जैसे उस पुस्तक में थियोडोसी में अय्यूब था। बुधवार को हमारी कक्षा में कुशनेर की पुस्तक पर चर्चा होगी। इसलिए, सुनिश्चित करें कि आपने बुधवार तक कुशनेर को पढ़ लिया है।

अगर आप चाहें तो किताब को कक्षा में ले आएँ। मैं कुशनेर के बारे में आपके विचार जानना चाहूँगा। मैं किताब पर एक अच्छी चर्चा करना चाहूँगा, आपकी कुछ प्रतिक्रियाएँ जानना चाहूँगा, और मैं इस पर अपने कुछ विचार आपके साथ साझा करूँगा।

इसमें क्या अच्छा है, आपको इसमें क्या पसंद नहीं है, और आधुनिक दुनिया में यही सवाल पूछने से हम क्या सीख सकते हैं? हम इस पर क्या निष्कर्ष निकालेंगे? ठीक है, यही होगा। यह डॉ. मार्व विल्सन की भविष्यवक्ताओं पर शिक्षा है।

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह हबबकूक की पुस्तक पर सत्र 21 है।